VIII मुद्रा प्रबंध

वर्ष के दौरान मुद्रा प्रबंध का ध्यान पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ बैंकनोट संचलन में उपलब्ध कराने पर बना रहा, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के परिप्रेक्ष्य में। रिज़र्व बैंक ने मुद्रा प्रबंध परिचालन को इष्टतम बनाने की दृष्टि से बैंकनोटों के सार्वजनिक उपयोग के रूख़ और पसंद को समझने का प्रयास किया।

VIII.1 कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की पृष्ठभूमि में, जिसके कारण देश के विभिन्न हिस्सों में आवागमन पर पुनः प्रतिबंध लगा दिया गया, रिजर्व बैंक के प्रयास अर्थव्यवस्था में स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहे जबकि गंदे नोटों के निपटान की प्रक्रिया, जो पिछले वर्ष गंभीर रूप से बाधित हुई थी, की गति में तेजी लाई गई। साथ-साथ, हाल के दिनों में डिजिटल भुगतान में वृद्धि को देखते हुए रिजर्व बैंक ने जनता द्वारा नकदी के उपयोग के पैटर्न के बारे में सार्थक समझ विकसित करने का भी प्रयास किया।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, अध्याय के शेष अंश को पांच भागों में व्यवस्थित किया गया है। इसके अगले भाग में वर्ष के दौरान संचलनगत मुद्रा में हुई महत्त्वपूर्ण घटनाओं को प्रस्तुत किया गया है। भाग 3 में 2021-22 की कार्ययोजना के कार्यान्वयन की स्थिति को कवर किया गया है और भाग 4 में भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल), जो रिज़र्व बैंक की पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है, के संबंध में रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। भाग 5 में 2022-23 की कार्ययोजना बताई गई है, जबकि अंतिम भाग में निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. संचलनगत मुद्रा संबंधी घटनाक्रम

VIII.3 संचलनगत मुद्रा (सीआईसी) में बैंकनोट और सिक्के आते हैं । वर्तमान में, रिज़र्व बैंक ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500और ₹2,000 मूल्यवर्ग के बैंकनोट जारी करता है। संचलनगत सिक्कों में 50 पैसे और ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग के सिक्के शामिल हैं।

बैंकनोट

VIII.4 वर्ष 2021-22 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 9.9 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 2020-21 के दौरान क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (सारणी VIII.1)। मूल्य के संदर्भ में, कुल संचलनगत बैंकनोटों में ₹500 और ₹2000 के बैंकनोटों का प्रतिशत 31 मार्च 2021 के 85.7 प्रतिशत की तुलना में, 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार 87.1 प्रतिशत रहा। मात्रा के संदर्भ में, 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार ₹500 के मूल्यवर्ग का भाग 34.9 प्रतिशत पर सबसे अधिक रहा, इसके बाद ₹10 मूल्यवर्ग के बैंकनोट रहे, जिनका कुल संचलनगत मुद्रा में प्रतिशत 21.3 था।

सिक्के

VIII.5 वर्ष 2021-22 में संचलनगत सिक्कों का कुल मूल्य 4.1 प्रतिशत बढ़ा जबकि उसी अवधि में कुल मात्रा 1.3 प्रतिशत बढ़ी (सारणी VIII.2) । 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार, ₹1, ₹2 और ₹5 के सिक्के मिलाकर संचलनगत सिक्कों की कुल मात्रा का 83.5 प्रतिशत रहे, जबकि मूल्य के अनुसार इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 75.8 प्रतिशत रहा।

सारणी VIII.1:संचलनगत बैंक नोट (मार्च-अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2020	2021	2022	2020	2021	2022
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,12,203 (9.7)	1,11,728 (9.0)	1,11,261 (8.5)	4,331 (0.2)	4,307 (0.2)	4,284 (0.1)
10	3,04,022 (26.2)	2,93,681 (23.6)	2,78,046 (21.3)	30,402 (1.3)	29,368 (1.0)	27,805 (0.9)
20	82,994 (7.2)	90,579 (7.3)	1,10,129 (8.4)	16,599 (0.7)	18,116 (0.6)	22,026 (0.7)
50	86,009 (7.4)	87,524 (7.0)	87,141 (6.7)	43,004 (1.8)	43,762 (1.5)	43,571 (1.4)
100	1,99,021 (17.2)	1,90,555 (15.3)	1,81,420 (13.9)	1,99,021 (8.2)	1,90,555 (6.7)	1,81,421 (5.8)
200	53,646 (4.6)	58,304 (4.7)	60,441 (4.6)	1,07,293 (4.4)	1,16,608 (4.1)	1,20,881 (3.9)
500	2,94,475 (25.4)	3,86,790 (31.1)	4,55,468 (34.9)	14,72,373 (60.8)	19,33,951 (68.4)	22,77,340 (73.3)
2000	27,398 (2.4)	24,510 (2.0)	21,420 (1.6)	5,47,952 (22.6)	4,90,195 (17.3)	4,28,394 (13.8)
कुल	**11,59,768**	**12,43,671**	**13,05,326**	**24,20,975**	**28,26,863**	**31,05,721**

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना

VIII.6 मुद्रा (बैंकनोट व सिक्के दोनों) के निर्गमन और इसके प्रबंधन का कार्य रिज़र्व बैंक देश में भर में फैले अपने निर्गम कार्यालयों, करेंसी चेस्टों और और छोटे सिक्कों के डिपो के माध्यम से करता है। 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार,

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च-अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2020	2021	2022	2020	2021	2022
1	2	3	4	5	6	7
छोटे सिक्के	1,47,880 (12.1)	1,47,880 (12.0)	1,47,880 (11.9)	700 (2.7)	700 (2.6)	700 (2.5)
1	5,08,878 (41.8)	5,12,597 (41.7)	5,15,879 (41.4)	5,089 (19.3)	5,126 (19.1)	5,159 (18.4)
2	3,35,158 (27.5)	3,37,863 (27.5)	3,40,792 (27.3)	6,703 (25.5)	6,757 (25.1)	6,816 (24.4)
5	1,75,992 (14.4)	1,79,360 (14.6)	1,84,331 (14.8)	8,800 (33.5)	8,968 (33.4)	9,217 (33.0)
10	50,130 (4.1)	51,391 (4.2)	54,044 (4.3)	5,013 (19.1)	5,139 (19.1)	5,404 (19.3)
20	- -	896 (0.1)	3,372 (0.3)	- -	179 (0.7)	674 (2.4)
कुल	**12,18,038**	**12,29,988**	**12,46,298**	**26,305**	**26,870**	**27,970**

-: लागू नहीं
नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.3: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों का डिपो

वर्ग	करेंसी चेस्टों की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,544	1,291
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,067	832
निजी क्षेत्र के बैंक	253	160
सहकारी बैंक	5	4
विदेशी बैंक	4	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	4	5
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**2,878**	**2,296**

स्रोत: आरबीआई।

करेंसी चेस्ट में भारतीय स्टेट बैंक का हिस्सा सबसे ज्यादा (53.6 प्रतिशत) रहा (सारणी VIII.3)।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.7 वर्ष 2021-22 के लिए बैंकनोटों की मांग में एक वर्ष पहले की तुलना में 1.8 प्रतिशत की हल्की कमी थी (सारणी VIII.4)। वर्ष 2021-22 में बैंकनोटों की आपूर्ति में भी पिछले वर्ष की तुलना में 0.4 प्रतिशत की मामूली कमी रही।

VIII.8 वर्ष 2021-22 में सिक्कों की मांग और आपूर्ति पिछले वर्ष की तुलना में क्रमश: लगभग 73.3 प्रतिशत और 73.0 प्रतिशत कम रही, जो जमा हुए भंडार और पिछले कुछ वर्षों से कम मांग के कारण थी (सारणी VIII.5)।

गंदे नोटों का निपटान

VIII.9 वर्ष 2021-22 के दौरान गंदे नोटों का निपटान, पिछले वर्ष के 997.02 करोड़ नोट से 88.4 प्रतिशत बढ़कर 1,878.01 करोड़ नोट हो गया (सारणी VIII.6)।

सारणी VIII.4:बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2019-20		2020-21		2021-22	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	60	-	-	-	-
10	14,700	14,702	2,840	2,846	7,500	7,510
20	12,500	13,390	48,750	38,520	20,000	20,000
50	24,000	23,431	14,000	13,887	15,000	15,000
100	33,000	32,708	40,000	37,270	40,000	40,002
200	20,500	19,588	15,000	15,106	12,000	11,991
500	1,46,300	1,19,996	1,06,000	1,15,672	1,28,000	1,28,003
2000	-	-	-	-	-	-
कुल	**2,51,000**	**2,23,875**	**2,26,590**	**2,23,301**	**2,22,500**	**2,22,505**

-: लागू नहीं
बीआरबीएनएमपीएल: भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड
एसपीएमसीआईएल: भारतीय प्रतिभूति मुद्रण और मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.5: सिक्कों की मांग और टकसालों (मिंटों) द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2019-20		2020-21		2021-22	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	1,000	1,093	1,000	1,000	-	-
2	8,000	7,993	9,500	6,718	2,000	2,000
5	10,000	9,984	11,000	10,995	2,000	2,000
10	12,000	11,565	5,500	5,852	2,000	2,000
20	3,000	458	3,000	5,061	2,000	2,000
कुल	**34,000**	**31,093**	**30,000**	**29,626**	**8,000**	**8,000**

-: लागू नहीं

स्रोत: आरबीआई।

जाली नोट

VIII.10 वर्ष 2021-22 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गई नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 6.9 प्रतिशत रिज़र्व बैंक में और 93.1 प्रतिशत अन्य बैंकों में पकड़े गए (सारणी VIII.7)।

VIII.11 गत वर्ष की तुलना में, ₹10, ₹20, ₹200, ₹500 (नई डिजाइन) और ₹2000 के मूल्य वर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में क्रमशः 16.4 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत, 11.7 प्रतिशत, 101.9 प्रतिशत और 54.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ₹50 और ₹100 मूल्यवर्ग में पकड़े गए जाली नोटों में क्रमशः 28.7 प्रतिशत और 16.7 प्रतिशत की कमी आई (सारणी VIII.8)।

सारणी VIII.6: गंदे नोटों का निपटान (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2019-20	2020-21	2021-22
1	2	3	4
2000	1,768	4,548	3,847
1000	-	-	-
500	1,645	5,909	22,082
200	318	1,186	6,167
100	44,793	42,433	59,203
50	19,070	12,738	27,696
20	21,948	10,325	20,771
10	55,744	21,999	46,778
5 तक	1,244	564	1,257
कुल	**1,46,530**	**99,702**	**1,87,801**

-: लागू नहीं

नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय

VIII.12 पिछले वर्ष के ₹4,012.1 करोड़ (1 जुलाई 2020 से 31 मार्च 2021) की तुलना में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक प्रतिभूति मुद्रण पर कुल व्यय ₹4,984.8 करोड़ था।

सारणी VIII.7: पकड़े गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

वर्ष	रिज़र्व बैंक में पकड़े गए	अन्य बैंकों में पकड़े गए	कुल
1	2	3	4
2019-20	13,530	2,83,165	2,96,695
	(4.6)	(95.4)	(100.0)
2020-21	8,107	2,00,518	2,08,625
	(3.9)	(96.1)	(100.0)
2021-22	15,878	2,15,093	2,30,971
	(6.9)	(93.1)	(100.0)

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल में प्रतिशत भाग दर्शाते है।

2. डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.8: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट-मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल से मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2019-20	2020-21	2021-22
1	2	3	4
2 और 5	22	9	1
10	844	304	354
20	510	267	311
50	47,454	24,802	17,696
100	1,68,739	1,10,736	92,237
200	31,969	24,245	27,074
500 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	11	9	14
500	30,054	39,453	79,669
1000 (विनिर्दिष्ट बैंकनोट)	72	2	11
2000	17,020	8,798	13,604
कुल	**2,96,695**	**2,08,625**	**2,30,971**

स्रोत: आरबीआई।

3. वर्ष 2021-22 के लिए कार्ययोजना

VIII.13 गत वर्ष, विभाग ने निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- गंदे नोटों के निपटान में वृद्धि (पैराग्राफ VIII.14);
- नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद (उत्कर्ष) [पैराग्राफ VIII.15]; और
- बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं की सुदृढ़ता की जांच के लिए नवीनतम शोध करने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की स्थापना और नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करना (उत्कर्ष) [पैराग्राफ VIII.15]।

कार्यान्वयन की स्थिति

गंदे नोटों के निपटान में वृद्धि

VIII.14 कोविड-19 महामारी की दूसरी और तीसरी लहर के दौरान गंदे नोटों के निपटान पर गंभीर प्रभाव पड़ा था। तथापि, समेकित प्रयासों के परिणामस्वरूप गंदे नोटों के निपटान में उल्लेखनीय सुधार हुआ जैसा कि इसके पहले पैराग्राफ VIII.9 में बताया गया है।

अन्य लक्ष्य

VIII.15 2021-22 के लिए निर्धारित अन्य लक्ष्य कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, अतः उन्हें 2022-23 की कार्ययोजना में जारी रखा गया है।

प्रमुख गतिविधियां

बैंकनोटों के लिए माइक्रोसाइट

VIII.16 रिज़र्व बैंक द्वारा बैंकनोटों के लिए एक नया माइक्रोसाइट आरंभ किया जा रहा है, जिसमें बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं और नोट बदलने की सुविधाओं पर सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। इस माइक्रोसाइट की विशिष्टता यह है कि न सिर्फ विभिन्न माध्यमों जैसे बैंकनोटों की डिज़ाइन व सुरक्षा विशेषताओं के 360-डिग्री दृश्यों, समझाने वाले वीडियो और एनिमेशन द्वारा, बल्कि इंटरएक्टिव खेलों द्वारा भी, सूचना का प्रसार होगा।

बैंकनोट विनिमय पर जागरूकता अभियान

VIII.17 ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने की दृष्टि से, रिज़र्व बैंक ने विशेष रूप से बैंकनोट विनिमय की सुविधाओं पर एक जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अभियान के मीडिया मिक्स में टीवी विज्ञापन और समाचार पत्रों में प्रिंट विज्ञापन शामिल थे। इस अभियान, जिसे 16 मार्च से 31 मार्च 2022 तक चलाया गया, से बैंकनोट बदलने की सुविधा को और प्रोत्साहन मिलने की प्रत्याशा है।

उपभोक्ताओं का बैंकनोट सर्वेक्षण

VIII.18 विभाग ने ग्राहकों का बैंकनोट सर्वेक्षण आरंभ किया जिसके उद्देश्य थे: (i) उपभोक्ता स्तर पर नकद की मांग और साथ ही पसंदीदा मूल्यवर्गों का आकलन; (ii) बैंकनोटों की विभिन्न सुरक्षा विशेषताओं के बारे में उपभोक्ताओं की जागरूकता की थाह लेना; (iii) वर्तमान बैंकनोटों और सिक्कों को लेकर

बॉक्स VIII.1
उपभोक्ताओं का बैंकनोट सर्वेक्षण: प्रमुख निष्कर्ष

इस सर्वेक्षण में 28 राज्यों और तीन संघशासित प्रदेशों के ग्रामीण, अर्ध शहरी, शहरी और महानगरीय क्षेत्रों के 11,000 प्रतिसादकर्ताओं के विविधतापूर्ण सैंपल की भागीदारी रही। इस सर्वेक्षण में 351 दृष्टि बाधित प्रतिसादकर्ता (वीआईआर) भी शामिल थे। सर्वेक्षण में 18 से 79 वर्ष के प्रतिसादकर्ताओं को कवर किया गया जिसमें पुरुषों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व 60:40 था।

सर्वेक्षण से पता चला कि बैंकनोटों में, ₹100 सबसे पसंदीदा, जबकि ₹2000 सबसे कम पसंद किया जाने वाला मूल्यवर्ग था। सिक्कों में ₹5 का मूल्यवर्ग सबसे पसंदीदा जबकि ₹1 सबसे कम पसंदीदा था। महात्मा गांधी की तस्वीर वाला वॉटरमार्क और इसके बाद विंडो का सुरक्षा धागा (सिक्योरिटी थ्रेड) सर्वाधिक पहचानी गई सुरक्षा विशेषताएं थीं। लगभग तीन प्रतिशत प्रतिसादकर्ताओं को किसी भी बैंकनोट सुरक्षा विशेषता के बारे में नहीं पता था। समग्र रूप से, 10 में से लगभग 7 प्रतिसादकर्ताओं को बैंक नोटों की नई श्रृंखला से संतुष्ट पाया गया। यह पाया गया कि वीआईआर में से अधिकांश को बैंकनोटों के कागज की गुणवत्ता और आकार के बारे में पता था।

स्त्रोत: आरबीआई।

सामान्य व दृष्टिबाधित दोनों प्रकार के लोगों में संतुष्टि के स्तर को मापना (बॉक्स VIII.1)।

भारतीय बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताओं की खरीद

VIII.19 रिज़र्व बैंक बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय है।

मुद्रा प्रबंध परिचालन को सुदृढ़ करना

VIII.20 रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रबंध परिचालन को सुदृढ़ करने के लिए अपनी उत्पादन और प्रसंस्करण क्षमताओं को बेहतर बनाने पर ज़ोर देना जारी रखा।

एटीएम में नोट आपूर्ति न होने पर दंड की योजना

VIII.21 एटीएम में नोट आपूर्ति न किए जाने पर बैंकों/ वाइट लेबल एटीएम परिचालकों (डबल्यूएलएओ) के लिए दंड लगाने की योजना शुरू की गई ताकि जनता को एटीएम द्वारा पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराई जा सके।

सिक्कों के वितरण के लिए प्रोत्साहन में वृद्धि

VIII.22 बैंकों के लिए मुद्रा वितरण और विनिमय योजना (सीडीईएस) संशोधित की गई जिसमें सिक्कों के वितरण के लिए प्रोत्साहन राशि प्रति बैग ₹25 से बढ़ाकर ₹65 कर दी गई। ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों में सिक्कों के वितरण के लिए ₹10 प्रति बैग का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। सिक्कों के वितरण के लिए जहाँ बैंकों द्वारा कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) और कैश इन ट्रांज़िट (सीआईटी) कंपनियों के उपयोग पर पुनः बल दिया गया, वहीं बैंकों को थोक ग्राहकों को सिक्के देने के लिए भी सूचित किया गया, जिसकी अनुमति पहले नहीं थी।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लि. (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.23 बीआरबीएनएमपीएल रिज़र्व बैंक की पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है जो बैंकनोटों की डिजाइनिंग, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोविड-19 महामारी से प्रभावित वातावरण में बीआरबीएनएमपीएल ने वर्ष 2021-22 में 13,350 मिलियन बैंकनोटों का उत्पादन किया। बीआरबीएनएमपीएल द्वारा करेंसी चेस्टों को सीधे विप्रेषण में दो गुना वृद्धि से महामारी के दौरान बैंकनोटों की आपूर्ति अबाध बनी रही। भारतीय बैंकनोटों में प्रयुक्त एक सुरक्षा विशेषता कलर शिफ्ट इंटाग्लियो इंक (सीएसआईआई) जिसका पहले आयात किया जाता था, अब वर्णिका, बीआरबीएनएमपीएल की मैसूरु स्थित स्याही निर्माण इकाई, में देशज रूप से बनाई जाती है और इससे बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल दोनों की कुल आवश्यकता पूर्ण होती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होती है और बैंकनोट उत्पादन में आयात पर निर्भरता में भी महत्वपूर्ण कमी आई है। वर्ष के दौरान गवर्नर, रिज़र्व बैंक ने

बीआरबीएनएमपीएल, मैसूरु की स्याही निर्माण इकाई (वर्णिका) को राष्ट्र को समर्पित किया।

5. 2022-23 के लिए कार्ययोजना

VIII.24 इस वर्ष के दौरान विभाग निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करेगा:

- नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद [उत्कर्ष];
- बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं की सुदृढ़ता के जांच के लिए नवीनतम शोध करने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की स्थापना और नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करना (उत्कर्ष);
- मुद्रा प्रबंध में स्वचालन और व्यवस्थागत पक्ष (लॉजिक्स्टिक्स) पर अध्ययन;
- दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफायर (मनी) एप – एप में पहले से उपलब्ध हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के अलावा 11 क्षेत्रीय भाषाएं आरंभ करना; और
- भुगतान के लिए नकदी, सिक्के और डिजिटल माध्यम के उपयोग पर सर्वेक्षण।

6. निष्कर्ष

VIII.25 सारांश में, वर्ष 2021-22 के दौरान रिज़र्व बैंक का ध्यान गंदे नोटों के निपटान में तेजी, जनता की जागरूकता बढ़ाने और बैंकनोटों से संबंधित जनता की मांग और अपेक्षाओं को समझने, स्वच्छ नोटों की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने और कोविड-19 महामारी के कारण किसी आकस्मिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखने पर केंद्रित रहा। आगे, रिज़र्व बैंक का प्रयास नोटों के प्रसंस्करण को और आधुनिक बनाने, मुद्रा प्रबंध प्रक्रियाओं को युक्तिसंगत बनाने, बैंकनोटों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए विश्लेषणात्मक शोध को बढ़ावा देने, बैंकनोट उत्पादन के लिए कच्चे माल के पूर्ण देशीकरण के लिए कार्यनीति बनाने, तकनीकी सुविधाओं के माध्यम से जनता की जागरूकता बढ़ाने और एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण द्वारा नकदी, सिक्कों और डिजिटल माध्यम के जनता द्वारा उपयोग का अध्ययन करने का रहेगा।